**किसने  तुमहे बनाया**

कोन था जो आसमान को ज़मीन पर लाया

किसने सितारों को चमकाया

झरनों में निरमल जल किसने वहाया

किसने चॉद को चमकाया

किसने कोयल को प्रदान की इतनी सुंदर आवाज़

गुलाव को इतना सुंदर किसने वनाया

किसने हवा को निरम्मता से वहाया

चॉदनी लेकर कोन है आया

याद करो हर उस दिशा को

सुंदर है जिसकी तासीर

प्रनाम करो उस शक्स को

जिसने तुमहे वनाया

शोभित अग्रवाल